नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.................................   दिनांक : 31-10-2019

प्रकाशनार्थ

(राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'रक्तदान महादान' विषय पर आयोजित हुआ व्याख्यान)

महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड़ गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **'रक्तदान–महादान'** विषय पर गुरू श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक के प्रभारी एवं ख्यातिलब्ध चिकित्सक **डॉ. अवद्येश अग्रवाल** ने कहा कि रक्तदान जीवनदायिनी के रूप में रोगी के लिए होता है। इस दृष्टि से रक्तदान जीवनदाता की भूमिका में आ जाता है। **रक्तदान समाज जीवन में आक्सीजन का कार्य करता है।** मनुष्य सामाजिक प्राणि है इसलिए समाज जीवन में उसकी भूमिका, उपयोगिता और योगदान भारत की परम्परा में रची–बसी है। रक्तदान भी उसी समाज जीवन का एक महत्वपूर्ण और बड़ा हिस्सा है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में रक्त की भूमिका सर्वव्याप्त है। देश दुनिया में तमाम शोध के बाद भी रक्त का कोई वैकल्पिक व्यवस्था सम्भव नही हो सका है। कृत्रिम रक्त का निर्माण आज की तिथि में असम्भव है। भारत में लगभग प्रतिदिन एक करोड़ पचास लाख रक्त ईकाई की आवश्यकता होती है जबकि उसके सापेक्ष केवल सत्तर लाख ही रक्त ईकाई आपूर्ति हो पाती है। इतने बड़े जनसंख्या वाले देश के लिए यह बहुत ही चिन्ता का विषय है बड़ी संख्या में लोगो में रक्तदान को लेकर विभिन्न प्रकार की भ्रान्तियाँ है। यहॉ तक कि शिक्षित लोगों में इस प्रकार की भ्रान्तियॉ भी बड़े पैमाने पर देखने को मिलती है। जबकि वास्तविकता है कि रक्तदान से न केवल व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है बल्कि स्वयं रक्तदाता को हृदयरोग, उक्तचाप, कोलेस्ट्राल, मोटापा, सुगर सहित अनन्य रोगो से बचाव भी सुनिश्चित होता है। वर्तमान समय में एक रक्तदाता एकसाथ चार व्यक्तियों की जीवनदाता बन जाता है। रक्त के चारों अवयव को अलग–अलग प्रयोग करके हम चारो अलग–अलग प्रकार के अवश्यकताओं को पूरा करते हैं। रक्तदाता वास्तव में प्रत्येक उस रक्त भी आवश्यकता वाले व्यक्ति के लिए संजीवनी बूटी के समान है जिससे किसी रोगी का जीवन बचाया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार राव ने स्मृति चिह्न द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. अवद्येश अग्रवाल का स्वागत किया। इस अवसर पर सुबोध कुमकार मिश्र डॉ. सौरभ कुमार सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में कल दिनांक 01.11.2019 को पूर्वाह्न 11:00 बजे राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरू श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक के सहयोग से होने वाले रक्तदान हेतु 101 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों करेंगें रक्तदान।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी